

जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बीसलपुर पुलिया पर हैंगिंग ब्रिज बनाने की संभावनाएँ तलाशने के दिए निर्देश

गोणकेश्वर मन्दिर में पूजा अर्चना के बाद उच्चाधिकारियों के साथ जलदाय मंत्री ने मौके की स्थिति का लिया जायजा

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। मालपुरा टोडारायसिंह विधानसभा क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने अपने क्षेत्र के प्रवास के दौरान बीसलपुर बांध क्षेत्र पहुंच कर गोणकेश्वर मन्दिर में पूजा अर्चना को देखा और धोणा के अनुसार बीसलपुर बांध पर बने वाली पुलिया को हैंगिंग ब्रिज के रूप में बनाने की संभावनाओं को तलाश कर तकनीकी तैयारी करने के निर्देश प्रदान किए। शनिवार को देव शाम जलदाय मंत्री नगरपालिका टोडा के अध्यक्ष भरतलाल सैनी, पूर्व पालिकाध्यक्ष संतकुमार जैन, पूर्व डीआर रामचन्द्र गुर्जर, टोडारायसिंह भाजपा शहर महानगरी कर्कुणानिधि शर्मा, पार्षद प्रह्लाद चावला के बीसलपुर बांध

स्थित अति प्राचीन श्री गोणकेश्वर मन्दिर मन्दिर पहुंचे। वहाँ चौधरी ने पवित्र सावन मास की पूर्णि विधि विधान से पूजा की। इसके पश्चात सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कि इस पुलिया को कोटा के चब्बल नदी पर हैंगिंग ब्रिज की तर्ज बनाने की संभावनाओं को तलाश जाए। इसके दिन यह अंतिरिक्ष बजट की बात आएगी तो वे स्वयं इस बाबत मुख्यमंत्री अधिकारियों के साथ बिहारी वैष्णवी कर बजट करने के बाद बीसलपुर अन्न जाने जाने वाले को जान जीखियम दें डाल कर नाव में बैठकर यात्रा करने से छुटकारा मिल सकेगा। इस दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों अधियन्त्र पिन्टू मीणा ने बताया कि बीसलपुर में नेतृत्व वाली सरकार ने यह प्राप्त अपने पहले पूर्ण बजट में ही क्षेत्र के लोगों की वर्षी पुरानी मांग भी पूरी होगी।

इसके सरकार का बीसलपुर बांध

संभला दिया जाएगा। गैरेतलब है कि बीसलपुर में बनाय नदी पर पुलिया निर्माण हो जाने के बाद देवली कोटा बींधु भीलवाड़ा, जहारपुर के आवामन सुगम होगा व बाहन सुविश्वा आसानी से उपलब्ध होगी।

साथ ही इस पुल के बन जाने के बाद बीसलपुर अन्न जाने जाने वाले को जान जीखियम में डाल कर नाव में बैठकर यात्रा करने से छुटकारा मिल सकेगा। इस पुलिया के निर्माण के बाद टोडा व देवली क्षेत्र के लोगों की वर्षी पुरानी मांग भी पूरी होगी।

साथ ही क्षेत्र में पवित्रन को बढ़ावा मिलाना वैसलपुर में बनाय नदी पर पुल नहीं होने के चलते लोगों को नाव का सहारा लेना पड़ता है। साथ ही बाहिश के दिनों में टोडारायसिंह से देवली मार्ग लगभग चार माह बढ़ रहता है।



सरकारों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि नहीं कर आंगनबाड़ी परिवारों का अपमान किया है आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक में दाखिया पदाधिकारी ने एथें अपने विचार

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। मालपुरा के महेश सेवा सदन में रविवार को क्षेत्र के सी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की आवश्यक बैठक अंयोजित हुई। बैठक में मोजुद कार्यकर्ताओं को सम्मानित करते हुए आल इंडिया आंगनबाड़ी एप्सलाइंज फैरेस्टेन के संस्थापक संरक्षक थोडेलाल बुनकर ने कहा कि केन्द्र सरकार का इस बाबत का बजट पूरी तरह से निराशरान क व आंगनबाड़ी महिला विरोधी है। केन्द्र की मोदी सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए मानदेय में कोई बदली नहीं की। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार ने अपने इस बजट में मानदेय वर्षे पुरानी मांग को पूरा करने के लिए 147 करोड़ रुपये की लागत से बीसलपुर बांध क्षेत्र में बनाय करने के लिए साथी विभागीय विभाग के दिनों में बैठक बनाने के लिए सरकार के बाबत ज्ञान सोने पाएं जाएं। इसके अलावा 12 सितम्बर को प्रधानमंत्री के नाम साथ ही वृद्धि तो नहीं की लेकिन काम



लिखे ज्ञापन की प्रतियां जिला कलक्टरों को सौंपी जाएंगी। बैठक में साधारण लक्ष्मी यादव ने बताया कि सरकार मानदेय के नाम पर आधिकार एवं मानसिक धोण कर रही है। केकड़ी प्रधारी आशा में वर्षी, फागी तहसील अध्यक्ष आशा सौंजू ख्वांकार ने भी विचार प्रकट किए।

बैठक में मुख्य रूप से रेखा शर्मा, सुजान, कैंटका स्वामी, मंजू शर्मा, हफ्फूल, परवान, सुषमा, मंजून, सुलाना, रेखा स्वामी, पिंकी सैनी, बीमा, उमिला, सुशीला, नजम बेगम के अलावा क्षेत्र की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजुद रही। बैठक के प्रारंभ में तहसील अध्यक्ष संजू ख्वांकार के नेतृत्व में क्षेत्र की महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सौंजू ख्वांकार के दिनों में बैठक बनाने के लिए सरकार के बाबत ज्ञान सोने पाएं जाएं। इसके अलावा 12 सितम्बर को प्रधानमंत्री के नाम साथ ही वृद्धि तो नहीं की लेकिन काम

विधानसभा चुनावों के दोरान किए गए वादे के अनुसार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि नहीं कर कार्यकर्ताओं, सहायियों के व आशा सहयोगियों के मानदेय में वृद्धि नहीं करके देश के 34 लाख आंगनबाड़ी परिवारों का अपमान किया है। साथ ही राज्य की भाजपा सरकार ने भी

बनवाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत के चक्कर लगा चुकी है। उसका योजना की सूची में नाम होने के बाद भी पक्का आवास नहीं बनने से घर बेघर हो गई है। तीजा देवी ने ग्राम पंचायत प्रशासन से शीघ्र योजना के माध्यम से पक्का मकान बनवाने की मांग की है।

बनवाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत के चक्कर लगा चुकी है। उसका योजना की सूची में नाम होने के बाद भी पक्का आवास नहीं बनने से घर बेघर हो गई है। तीजा देवी ने ग्राम पंचायत प्रशासन से शीघ्र योजना के माध्यम से पक्का मकान बनवाने की मांग की है।

बनवाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत के चक्कर लगा चुकी है। उसका योजना की सूची में नाम होने के बाद भी पक्का आवास नहीं बनने से घर बेघर हो गई है। तीजा देवी ने ग्राम पंचायत प्रशासन से शीघ्र योजना के माध्यम से पक्का मकान बनवाने की मांग की है।

बनवाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत के चक्कर लगा चुकी है। उसका योजना की सूची में नाम होने के बाद भी पक्का आवास नहीं बनने से घर बेघर हो गई है। तीजा देवी ने ग्राम पंचायत प्रशासन से शीघ्र योजना के माध्यम से पक्का मकान बनवाने की मांग की है।

बनवाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत के चक्कर लगा चुकी है। उसका योजना की सूची में नाम होने के बाद भी पक्का आवास नहीं बनने से घर बेघर हो गई है। तीजा देवी ने ग्राम पंचायत प्रशासन से शीघ्र योजना के माध्यम से पक्का मकान बनवाने की मांग की है।

बनवाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत के चक्कर लगा चुकी है। उसका योजना की सूची में नाम होने के बाद भी पक्का आवास नहीं बनने से घर बेघर हो गई है। तीजा देवी ने ग्राम पंचायत प्रशासन से शीघ्र योजना के माध्यम से पक्का मकान बनवाने की मांग की है।

बनवाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत के चक्कर लगा चुकी है। उसका योजना की सूची में नाम होने के बाद भी पक्का आवास नहीं बनने से घर बेघर हो गई है। तीजा देवी ने ग्राम पंचायत प्रशासन से शीघ्र योजना के माध्यम से पक्का मकान बनवाने की मांग की है।

बनवाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत के चक्कर लगा चुकी है। उसका योजना की सूची में नाम होने के बाद भी पक्का आवास नहीं बनने से घर बेघर हो गई है। तीजा देवी ने ग्राम पंचायत प्रशासन से शीघ्र योजना के माध्यम से पक्का मकान बनवाने की मांग की है।

बनवाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत के चक्कर लगा चुकी है। उसका योजना की सूची में नाम होने के बाद भी पक्का आवास नहीं बनने से घर बेघर हो गई है। तीजा देवी ने ग्राम पंचायत प्रशासन से शीघ्र योजना के माध्यम से पक्का मकान बनवाने की मांग की है।

बनवाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत के चक्कर लगा चुकी है। उसका योजना की सूची में नाम होने के बाद भी पक्का आवास नहीं बनने से घर बेघर हो गई है। तीजा देवी ने ग्राम पंचायत प्रशासन से शीघ्र योजना के माध्यम से पक्का मकान बनवाने की मांग की है।

बनवाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत के चक्कर लगा चुकी है। उसका योजना की सूची में नाम होने के बाद भी पक्का आवास नहीं बनने से घर बेघर हो गई है। तीजा देवी ने ग्राम पंचायत प्रशासन से शीघ्र योजना के माध्यम से पक्का मकान बनवाने की मांग की है।

बनवाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत के चक्कर लगा चुकी है। उसका योजना की सूची में नाम होने के बाद भी पक्का आवास नहीं बनने से घर बेघर हो गई है। तीजा देवी ने ग्राम पंचायत प्रशासन से शीघ्र योजना के माध्यम से पक्का मकान बनवाने की मांग की है।

बनवाने के लिए कई बार ग्राम पंचायत के चक्कर लगा चुकी है। उसका योजना की सूची में नाम होने के बाद भी पक्का आवास नहीं बनने से घर बेघर हो गई है। तीजा देवी ने ग्राम पंचायत प्रशासन से शीघ्र योजना के माध्यम से पक्का मकान ब

